अयोध्या के धाम वस्ते है श्री राम

अयोध्या के धाम वस्ते है श्री राम,
गूंज उठे कण कण में सिया राम जी का नाम,

जो भी यहाँ पर आये खाली हाथ ना जाए,
मैं भी खड़ी हु दवारे तेरे निज आँचल फैलाये,
नाथ हे नाथ कर आस तू पूरी,
हम सबको तुझसे मिलता है जीने का आधार,
अयोध्या के धाम वस्ते है ....

न बेहभव चाहे हम न दौलत के रंग,
हम तो मिलती साड़ी खुशिया सिया राम के रंग,
नाथ हे नाथ ये चाह है मेरी,
साथ ये न छूटे चाहे छूटे ये संसार,
अयोध्या के धाम वस्ते है .....

धनुरधारी रामा तेरे हज़ारो रूप,
हे त्रिपुरारी तू जब चाहे करदे छावर धुप,
नाथ हे नाथ अब ना कर देरी,
आज पुकारे तेरी पुजारन सुन के आ पुकार,
अयोध्या के धाम वस्ते है

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4167/title/ayodhaya-ke-dham-vaste-hai-shri-ram-gunj-uthe-kan-kan-me-siya-ram-ji-ka-naam-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |